भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

संस्थान में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक दिनांक 03 जनवरी, 2023 को 12:00 बजे (अपराह्न) अध्यक्ष, वि.रा.भा.का.समिति के निर्देशानुसार डॉ. सतिंदर भाटिया, निदेशक महोदया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों की सूची संलग्न है।

क्र.सं.	समिति सदस्य
1.	डॉ. सतिंदर भाटिया, निदेशक
2.	डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता, कुलसचिव
3.	श्री गौरव गुलाटी, उप कुलसचिव
4.	श्री बिमल कुमार पंडा, प्रणाली प्रबंधक
5.	सुश्री दीपा पी.जी, सहायक वित्त अधिकारी
6.	सुश्री नलिनी मेशराम, सहायक कुलसचिव (संपदा एवं अनुरक्षण विभाग)
7.	सुश्री मीनाक्षी सक्सेना, सहायक कुलसचिव (अकादमिक)
8.	सुश्री कविता शर्मा, अनुभाग अधिकारी
9.	श्री जितेंन्द्र सक्सेना, अनुभाग अधिकारी
10.	सुश्री ललिता गुप्ता, अनुभाग अधिकारी
11.	सुश्री सविता अरोड़ा बेदी, वरिष्ठ निजी सहायक
12.	श्री करूण दुग्गल, अनुभाग अधिकारी
13.	सुश्री निर्मला, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
14.	सुश्री मोनिका वर्मा, वरिष्ठ निजी सहायक
15.	श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ सहायक
16.	सुश्री मोहिनी मदान, अनुभाग अधिकारी
17.	सुश्री गगन अरोड़ा, प्रशासनिक समन्वयक
18.	श्री सुमित साह, वरिष्ठ सहायक
19.	सुश्री चंदा रानी, हिंदी अधिकारी - सदस्य सचिव

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव सह हिंदी अधिकारी ने बैठक में सभी का स्वागत किया और अध्यक्ष महोदया की अनुमति से बैठक प्रारंभ करने की अनुमति ली।

अक्तूबर - दिसंबर, 2022 की तिमाही विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान समिति के निम्न सदस्यों को अनुपस्थित/ अवकाश की स्वीकृति प्रदान की गई।

1. डॉ. रोहित मेहतानी, प्रमुख (सीआरपीडी) - सरकारी बैठक के कार्य में व्यस्त

2. श्री पीताम्बर बेहरा, उप वित्त अधिकारी - अनुपस्थित
3. श्री द्वैपायन ऐश, अनुभाग अधिकारी - प्रशासनिक प्रतिनिधियों के कार्य में व्यस्त
4. श्री राहुल कपूर, अनुभाग अधिकारी - अनुपस्थित
5. सुश्री लीना नागवानी, अनुभाग अधिकारी - अवकाश पर
6. सुश्री कविता वाधवा, सहायक प्रोफेसर - सरकारी प्रतिनिधियों की बैठक के कार्य में व्यस्त
7. सुश्री सुमिता मारवाह, अनुभाग अधिकारी - अनुपस्थित
8. श्री अनिल मीणा, अनुभाग अधिकारी - अनुपस्थित
9. सुश्री होईजात बाईते, अनुभाग अधिकारी - अवकाश पर
10. सुश्री चाँदनी, वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक - अनुपस्थित

अनुवर्ती कार्रवाई हेतु बिंदु निम्न प्रकार हैं: -

सदस्य सचिव सह हिंदी अधिकारी ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुपालनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यवृत्त पर किसी सदस्य द्वारा आपत्ति नहीं उठायी गयी। समिति ने सर्व सम्मति से कार्यवृत्त की पुष्टि की। बैठक की कार्यसूची के मदों पर चर्चा से कार्यवाही शुरू की गई।

मद संख्या - 1. संस्थान के 18 विभाग/अनुभागों की मूल पत्राचार का प्रतिशत वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों अनुरूप सुनिश्चित किया जाना।

अध्यक्ष महोदया द्वारा उपस्थित सभी विभागों/ अनुभागों के अधिकारियों/ कर्मचारियों को निर्देश दिए गए की सभी वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सख्ती से अनुपालन करें। सभी मूल पत्राचार के प्रतिशत को लक्ष्यों के अनुरूप बढ़ाए और सभी विभाग/ प्रभाग अपना कार्य द्विभाषी रूप से अनिवार्य करें। भेजे जाने वाले पत्र- ईमेल को पूर्ण रूप से द्विभाषी करने हेतु भी निर्देश दिए जिसका सख्ती से सभी विभागों/ अनुभागों द्वारा पालन किया जाना चाहिए। अनुपालन न करने वालों पर राजभाषा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इस संबंध में सभी को तत्काल कार्यालय आदेश भी जारी किए जाए।

(कार्रवाई - समस्त अनुभाग/ विभाग)

मद संख्या - 2. विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन।

इस मद में अध्यक्ष महोदया द्वारा संस्थान में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राजभाषा संगोष्ठी हेतु अनुमति प्रदान की गई व इसके साथ हिंदी के विश्व स्तर पर प्रचार - प्रसार हेतु अन्य कार्यक्रम करने के भी सुझाव दिये गए। ताकि संस्थान में हिंदी का अधिकाधिक कार्य हो सभी कार्मिकों की भागीदारी हो।

(कार्रवाई - हिंदी अनुभाग)

मद संख्या - 3. संस्थान के कार्मिकों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 05 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु।

इस मद में सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 05 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु अनुमति प्रदान की गई। सभी विभाग/ अनुभाग से कार्मिकों को नामित करने किए जाने हेतु निर्देश भी दिए। भविष्य में भी राजभाषा विभाग, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा समय - समय पर आयोजित प्रशिक्षण में कार्मिकों को नामांकन भेजने हेतु निर्देश दिए। ताकि प्रशिक्षण के माध्यम से भी कार्मिकों का उत्साहवर्धन हो, जिससे उनमें राजभाषा हिंदी के प्रति कार्यान्वयन में बढ़ोतरी व अधिकाधिक करने की की भी प्रेरणा, नए सॉफ्टवेयर, टूल्स की जानकारी व हिंदी में कार्य करने की झिझक दूर होती है।

(कार्रवाई - हिंदी अनुभाग)

मद संख्या - 4. क एवं ख क्षेत्र में भी अंग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में भी दिया जाना सुनिश्चित करना।

अध्यक्ष महोदया द्वारा सभी विभागों/ अनुभागों को क एवं ख क्षेत्र में भी अंग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में भी दिया जाना सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश दिए गए। इस संबंध में कार्यालय ज्ञापन भी जारी किए जाए। इसका सख्ती से अनुपालन हो, अनुपालन न करने वालों पर राजभाषा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

(कार्रवाई - समस्त अनुभाग/ विभाग)

मद संख्या- 5. हिंदी में फ़ाइलों पर टिप्पण की प्रतिशतता।

इस मद के रूप में अध्यक्ष महोदया द्वारा सभी विभागों/ अनुभागों द्वारा हिंदी में फ़ाइलों पर टिप्पण की प्रतिशतता बढ़ाने हेतु निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारी/ कर्मचारी को फ़ाइलों पर अधिक से अधिक टिप्पण लिखने हेतु अनुदेश दिए ताकि हिंदी के कार्य में बढ़ोतरी हो, केवल हिंदी को कार्य समझकर न करें बल्कि हम सभी को अपना दायित्व समझकर इसकी भूमिका निभानी चाहिए, जो सभी के सहयोग से ही संभव हो सकती है। आवश्यकता होने पर उच्च अधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी जा सकती है।

(कार्रवाई - समस्त अनुभाग/ विभाग)

मद संख्या - 6. विश्व हिंदी सम्मेलन 2023 का फिजी में आयोजन।

अध्यक्ष महोदया को हिंदी अधिकारी द्वारा बताया गया कि विश्व पटल पर हिंदी के प्रचार - प्रसार हेतु विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक 03 वर्ष में एक बार विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। जिसमें सरकारी कार्यालयों, विश्वविद्यालयों, कॉलेज से हिंदी का ज्ञान रखने वाले कार्मिकों की भागीदारी रहती है। अब तक कुल 11 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इस वर्ष 12वें विश्व

हिंदी सम्मेलन फिजी में आयोजित किया जा रहा है। विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्देश्य प्रचार-प्रसार के साथ हिंदी को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने एवं अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी का संवर्धन और परीक्षण करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। विश्व स्तर पर प्रचार - प्रसार हेतु प्रत्येक सरकारी कार्यालयों के संस्थानों की भी भूमिका होती है। जिसे निर्वहन करना व हिंदी के विकास हेतु सभी का दायित्व है। संस्थान हिंदी के प्रचार - प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है। समय - समय पर प्राप्त राजभाषा विभाग व वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्राप्त निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(कार्रवाई - हिंदी अनुभाग)

अध्यक्ष महोदया को धन्यवाद के साथ बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।